पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने राजभवन परिसर में आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर का उद्घाटन किया

लखनऊः 25 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन परिसर में आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव, विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री पारस नाथ यादव, राजनैतिक पेंशन मंत्री श्री राजेन्द्र चैधरी, प्रमुख सचिव राज्यपाल सुश्री जूथिका पाटणकर, प्रमुख सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री दीपक त्रिवेदी तथा आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर के निर्माता मेसर्स एक्सल इन्डस्ट्रीज के मैनेजर श्री देवेन्द्र सिंह आदि भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर से पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण भी किया जा सकता है। जैविक कूड़ा प्रबंधन से मिलने वाली कम्पोस्ट खाद से पर्यावरण व जमीन की उर्वरकता को भी लाभ होगा। इस संयंत्र का व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए ताकि इसका व्यवसायिक तौर पर प्रयोग किया जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजभवन में स्थापित इस जैविक कूडे से कम्पोस्ट खाद बनाने वाले संयंत्र की स्थापना प्रदेश के शहरी नागरिकों एवं किसानों के लिए दिशा दर्शक का काम करेगा।

श्री नाईक ने कहा कि राजभवन में जैविक कूडे का प्रबंधन एक तरफ स्वच्छता अभियान का हिस्सा है तो दूसरी ओर पर्यावरण के लिए मैत्रीपूर्ण व्यवस्था भी। कम्पोस्ट खाद राजभवन उद्यान के साथ-साथ अन्य राजकीय उद्यानों में भी प्रयोग की जायेगी। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र की उपयोगिता को देखते हुए आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर की स्थापना फूड प्रोसेसिंग संस्थानों, राजकीय अस्पतालों एवं नगर निगम आदि स्थानों पर किया जाना उपयुक्त होगा।

राज्यपाल ने बताया कि राजभवन में वर्षा जल संचयन का संयंत्र भी है। 2013 में एक रिपोर्ट में बताया गया था कि राजभवन का भूमिगत जलस्तर अन्य स्थानों की अपेक्षाकृत ऊंचा है। राजभवन में सौर ऊर्जा का भी उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजभवन में जैविक खाद, गाय के गोबर की खाद व हरी खाद का उपयोग खेती व सब्जी उगाने के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि राजभवन में गत सप्ताह 'उत्तर प्रदेश राजभवन के पक्षी' नामक पुस्तक का लोकार्पण हुआ और आज आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर का उद्घाटन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कूडे को रिडयूस (कम करने), रिसाइकिल करके पुनः उपयोग में लाने लायक बनाने की जरूरत है। सब्जी मण्डियों की गंदगी के प्रति अधिकारी ध्यान दें तो वहाँ भी जैविक कूडे का प्रबंधन हो सकता है। राजभवन की इस पहल की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर से लोगों में जानकारी व जागरूकता बढेगी। खेती में रासायनिक उर्वरक से भूमि की उर्वरकता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। कम्पोस्ट खाद के उपयोग से खेती योग्य जमीन की उर्वरकता बढेगी। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के कारण समाज में आर्गेनिक उत्पादों की मांग बढ़ी है। लोगों में मिलावट के प्रति भी जागरूकता आयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां एक ओर लोगों में खुशहाली एवं सम्पन्नता आयी है वहीं शहरों में टैªफिक जाम एवं कूडे की समस्या बढ़ी है। कूडे से बिजली भी बनायी जा सकती है। समाज में जैविक कूड़ा अलग डालने के लिए जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने राजभवन की सराहना करते हुए कहा कि इससे प्रेरणा लेकर शहर के कूडे का प्रबंधन किया जा सकता है।

विशिष्ट अतिथि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री पारस नाथ यादव ने कहा कि जैविक खेती को बढ़ाने के लिए आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर महत्वपूर्ण संयंत्र है। जैविक खाद के उत्पादन के साथ-साथ राजभवन में सफाई को

भी बढ़ावा मिलेगा। रासायनिक खादों के उपयोग से भूमि का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। जैविक खादों के ज्यादा से ज्यादा उपयोग के लिए जरूरी है कि वैज्ञानिक, अधिकारी एवं किसान एक मंच पर आयें।

मेसर्स एक्सल इन्डस्ट्रीज के मैनेजर श्री देवेन्द्र सिंह ने आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री दीपक त्रिवेदी ने स्वागत भाषण दिया तथा सचिव राज्यपाल श्री चन्द्र प्रकाश पाण्डेय द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा0 शिव शंकर त्रिपाठी, चिकित्साधिकारी आयुर्वेद, राजभवन चिकित्सालय ने किया।

उल्लेखनीय है कि राजभवन उद्यान, गृह वाटिका, पैन्ट्री, आवासीय परिसरों तथा पी0ए0सी0 बैरक से प्रचुर मात्रा में आर्गेनिक वेस्ट निकलता है। आर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर से 400 किग्रा0 सेग्रीगेटेड आर्गेनिक वेस्ट कम्पोस्ट प्रतिदिन तैयार कर उपयोग में लायी जा सकती है। इस संयंत्र की क्षमता 20 किग्रा कम्पोस्ट प्रति 15 मिनट है।

इआर्गेनिक वेस्ट
राज भवन

इन्आर्गेनिक वेस्ट
राज भवन